भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 158
सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी

158. श्री एस. जगतरक्षकन:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश हाल के वर्षों में अपनी श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी के संबंध में निरंतर सुधार कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इस सर्वेक्षण की अवधि, जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2017-18 से वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान, देश में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की अनुमानित श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) निम्नानुसार हैः

वर्ष	एलएफपीआर (% में)
2017-18	23.3
2018-19	24.5
2019-20	30.0
2020-21	32.5
2021-22	32.8
2022-23	37.0

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

उपरोक्त तालिका के आंकड़ें दर्शाते हैं कि श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि की प्रवृत्ति है।

*****